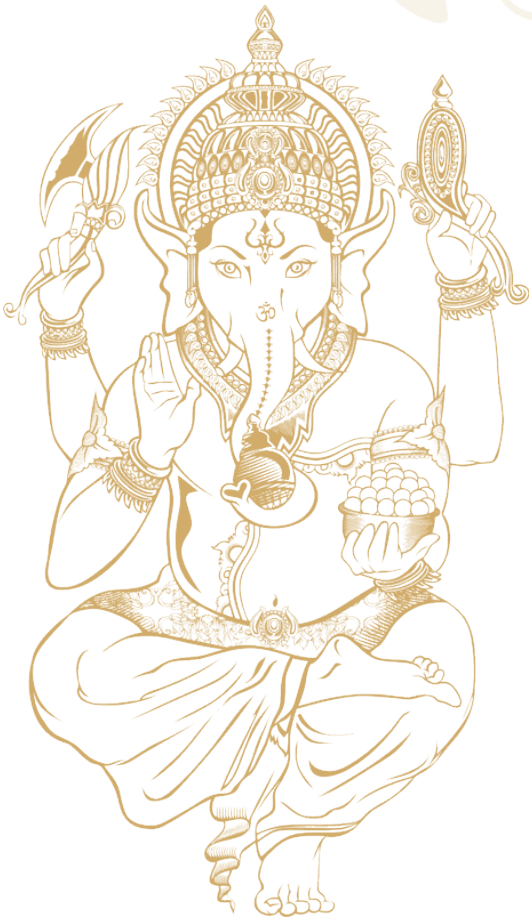

Mr.prem lalit sweety

30 Oct 1986

08:00 AM

Udaipur

Model: Varshphal-2017

Order No: 119635901

तिथि 30/10/1986 **समय** 08:00:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Udaipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:40:16
अक्षांश 24:36:00 उत्तर **रेखांश** 73:47:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:34:52 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	09:57:37 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:16:20 घं	योनि	गौ
सूर्योदय	06:40:33 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	17:56:26 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2043	वश्य	मानव
शक संवत	1908	वर्ग	श्वान
मास	कार्तिक	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	भूमि
तिथि	12	जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
नक्षत्र	उ०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
योग	ऐन्द्र	होरा	मंगल
करण	तैतिल	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 9मा 29दि
गुरु
28/08/2025
28/08/2041

गुरु	17/10/2027
शनि	29/04/2030
बुध	04/08/2032
केतु	11/07/2033
शुक्र	11/03/2036
सूर्य	28/12/2036
चन्द्र	29/04/2038
मंगल	05/04/2039
राहु	28/08/2041

योगिनी
सिद्धा 4वर्ष 5मा 18दि
सिद्धा
18/04/2020
19/04/2027

सिद्धा	28/08/2021
संकटा	19/03/2023
मंगला	29/05/2023
पिंगला	18/10/2023
धान्या	18/05/2024
भ्रामरी	27/02/2025
भद्रिका	17/02/2026
उल्का	19/04/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			29:18:28	तुला	विशाखा	3	गुरु	सूर्य	---	0:00			
सूर्य			12:42:00	तुला	स्वाति	2	राहु	बुध	नीच राशि	1.28	पुत्र	पितृ	क्षेम
चंद्र			01:29:22	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	मित्र राशि	1.07	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			18:42:42	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	उच्च राशि	1.45	भ्रातृ	भ्रातृ	सम्पत
बुध			04:50:19	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	शनि	सम राशि	1.41	ज्ञाति	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		19:26:45	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	मंगल	सम राशि	1.01	अमात्य	धन	क्षेम
शुक्र	व	अ	22:41:33	तुला	विशाखा	1	गुरु	शनि	स्वराशि	1.22	आत्मा	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			14:27:33	वृश्चि	अनुराधा	4	शनि	राहु	शत्रु राशि	1.06	मातृ	आयु	साधक
राहु	व		26:09:11	मीन	रेवती	3	बुध	गुरु	सम राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		26:09:11	कन्या	चित्रा	1	मंगल	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

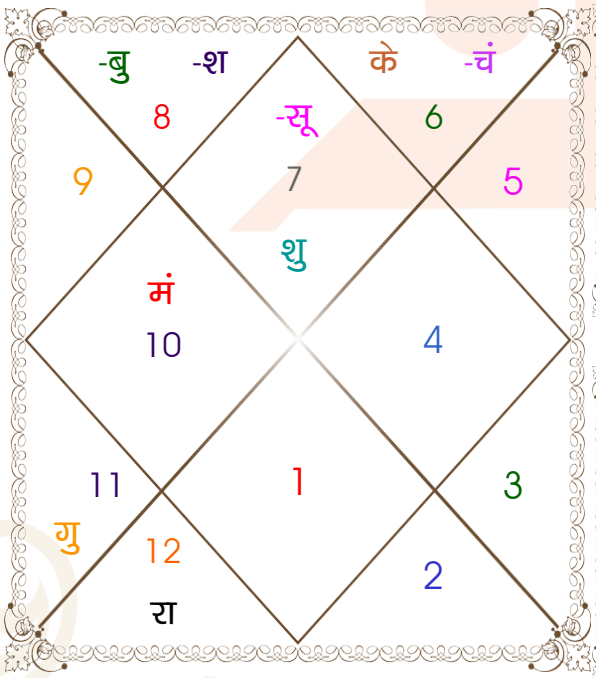

चन्द्र कुंडली

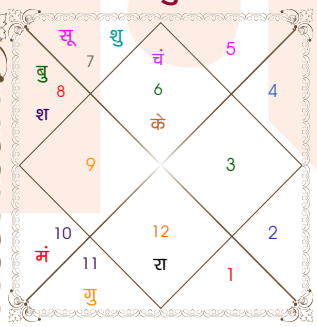

नवमांश कुंडली

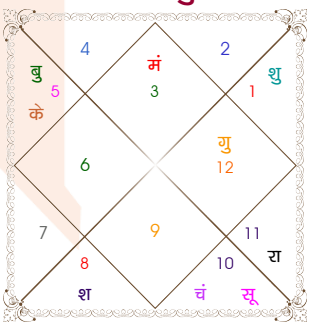

सर्वाष्टकवर्ग

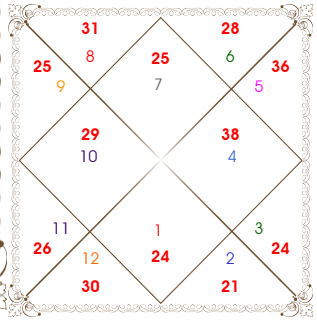

दशमांश कुंडली

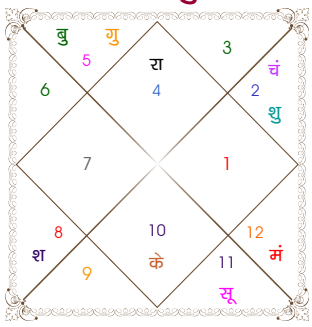

Krishna jyotish paramarsh Kendra (पूज्य दादा गुरु पण्डित स्व:किशन लाल जोशी की स्मृती में)
4 shanti ni ketan society bedala badgaon link road Udaipur Rajasthan
पण्डित गिरधारी जोशी पंडित भूपेंद्र जोशी
9571652706 9414829758
jbhupendrajoshi@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं मन में व्याकुलता तथा अशान्ति रहेगी। इस वर्ष संतति पक्ष से चिन्तित तथा परेशान रहेंगे एवं उनसे आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग प्राप्त नहीं होगा साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। शत्रु एवं विरोधी पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। इस समय भौतिक सुख संसाधनों की अल्पता रहेगी तथा यात्रा आदि में व्यय तथा हानि की संभावना बनेगी। अतः लम्बी दूरी की यात्रा की इस समय उपेक्षा करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई विशेष सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा तथा परस्पर संबंधों में कटुता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा व्यापार में आपको बाधाओं तथा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही हानि की संभावना रहेगी तथा लाभ मार्ग भी अवरुद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी उन्नति में व्यवधान होगा तथा इसमें विलम्ब भी होगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे फलतः इनसे भी परेशानी होगी। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए । आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा व्यय अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा परेशानी हो सकती है। अतः वर्ष की अशुभता को देखते हुए बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट से परेशान रहेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी अशान्ति या उद्विग्नता बनी रहेगी। मित्र एवं संबधियों से आपके संबध मध्यम रहेंगे तथा उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।इस समय यदा कदा संबधों में तनाव भी उत्पन्न होगा तथा शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा एवं पग पग पर आपके लिए परेशानी उत्पन्न करेगा जिससे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसी स्थिति से आपको सावधान रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष विशेष सुदृढ़ नहीं रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही लाभ एवं धनार्जन होगा परन्तु यदा कदा व्यय अधिक होगा। अतः ऐसे समय में आप आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष सामान्य रहेगा इस समय स्व परिश्रम एवं संघर्ष से आपको अल्प सफलता मिलेगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी परन्तु उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में कार्यो में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। अतः सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सावधान रहें तथा उनकी उपेक्षा न करें इसके अतिरिक्त मानसिक संकल्पों तथा शुभ कार्यो में आपको अल्प ही सफलता प्राप्त होगी। अतः शान्ति एवं धैर्यपूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

प्रथम मास

30/10/2025 07:48:03 से 29/11/2025 03:15:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:38:00
सूर्य		तुला	स्वाति	12:42:00
चन्द्र		मकर	श्रवण	17:33:45
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	01:53:42
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	06:25:09
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:40:26
शुक्र		कन्या	चित्रा	25:58:00
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:40:00
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:16:56
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:16:56
मुंथा		मकर	धनिष्ठा	29:18:28

मासाधिपति

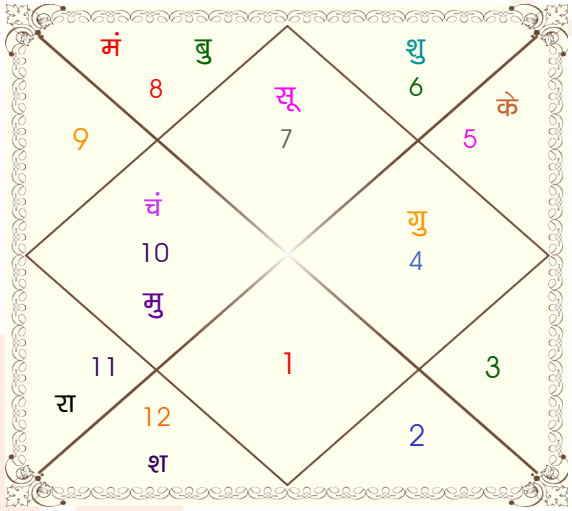

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगें। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता,मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी।

द्वितीय मास

29/11/2025 03:15:55 से 28/12/2025 15:35:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:23:12
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	12:42:00
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:14:44
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:31:28
बुध	व	तुला	विशाखा	26:32:57
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:26:24
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	03:20:48
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:56:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:42:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:42:09
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	01:48:28

मासाधिपति

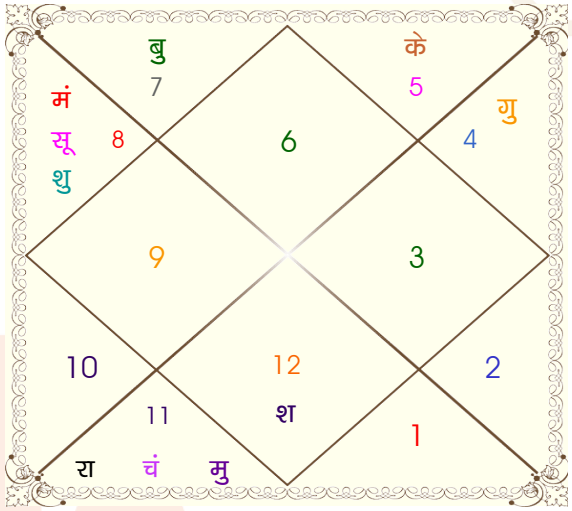

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

28/12/2025 15:35:16 से 27/01/2026 02:33:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	10:07:00
सूर्य		धनु	मूल	12:42:00
चन्द्र		मीन	रेवती	20:37:05
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:43:40
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:00:30
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:35:49
शुक्र		धनु	मूल	10:28:50
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:44:49
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:08:19
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:08:19
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	04:18:28

मासाधिपति

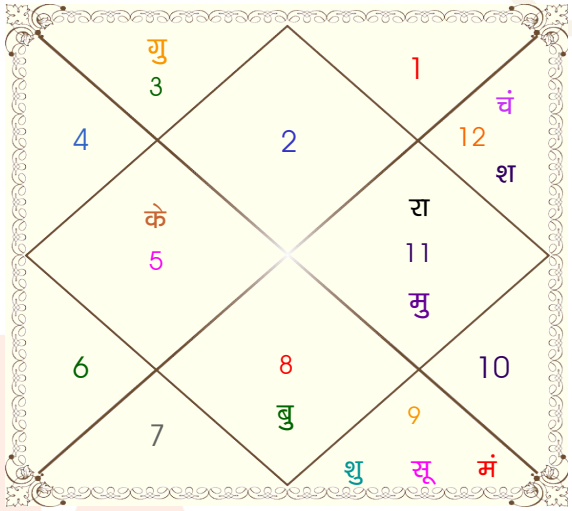

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे फलतः आप कार्यक्षेत्र में प्रोन्नति प्राप्त करेंगे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्योंको भी सम्पन्न करेंगे साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सिद्ध होंगे। फलतः आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों में आपकी श्रद्धा होगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा में भी आप तत्पर रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा यश भी दूर दूर तक फैलेगा। इसके साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभ योग बनते रहेंगे। इस समय आप नवीन स्थान या गृह आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं को पूर्ण करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पुत्र एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ,महत्वपूर्ण एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा जिसमें आपको अपने असफल कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी।

चतुर्थ मास
27/01/2026 02:33:59 से 25/02/2026 18:19:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:26:21
सूर्य		मकर	श्रवण	12:42:00
चन्द्र		मेष	भरणी	21:34:55
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:30:02
बुध		मकर	श्रवण	16:17:20
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:44:01
शुक्र		मकर	श्रवण	17:31:29
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:55:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:34:39
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:34:39
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	06:48:28

मासाधिपति

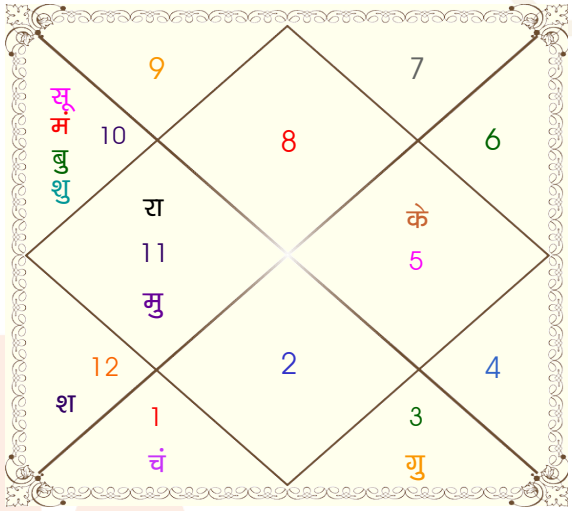

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

पंचम् मास
25/02/2026 18:19:14 से 27/03/2026 19:49:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	09:59:56
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	12:42:00
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	26:06:05
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	01:47:19
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:17:41
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:09:55
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:40:02
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:05:22
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:00:22
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:00:22
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	09:18:28

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

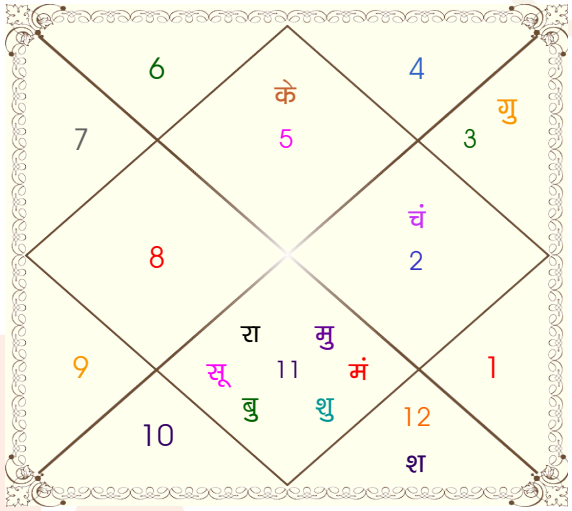

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

27/03/2026 19:49:58 से 27/04/2026 09:39:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	27:20:07
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	12:42:00
चन्द्र		कर्क	पुष्य	05:52:14
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:26:42
बुध		कुम्भ	शतभिषा	16:19:26
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:17:49
शुक्र		मेष	अश्विनी	01:59:23
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:46:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:24:47
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:24:47
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	11:48:28

मासाधिपति

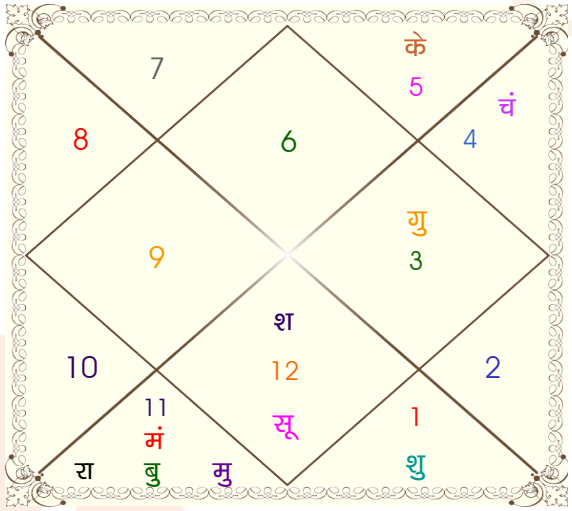

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् मास
27/04/2026 09:39:47 से 28/05/2026 11:07:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:22:20
सूर्य		मेष	अश्विनी	12:42:00
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:27:01
मंगल		मीन	रेवती	19:12:38
बुध		मीन	रेवती	24:49:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:10:12
शुक्र		वृष	कृतिका	09:25:27
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:29:03
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:47:34
केतु	व	सिंह	मघा	11:47:34
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	14:18:28

मासाधिपति

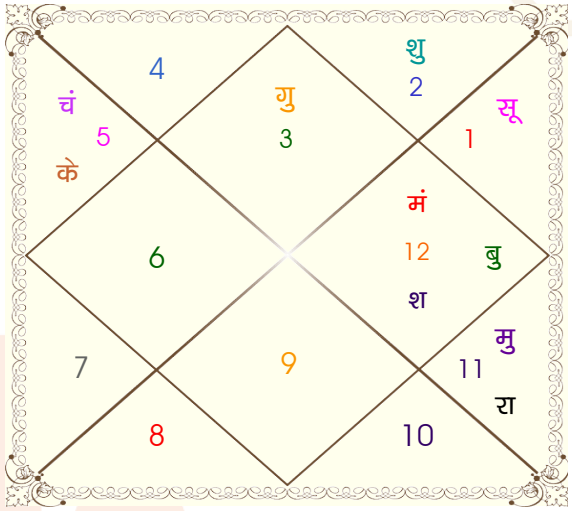

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास

28/05/2026 11:07:22 से 28/06/2026 20:15:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	24:24:52
सूर्य		वृष	रोहिणी	12:42:00
चन्द्र		तुला	स्वाति	08:10:32
मंगल		मेष	अश्विनी	12:44:06
बुध		वृष	मृगशिरा	28:07:41
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:08:17
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	16:42:44
शनि		मीन	रेवती	17:41:27
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:08:48
केतु	व	सिंह	मघा	10:08:48
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	16:48:28

मासाधिपति

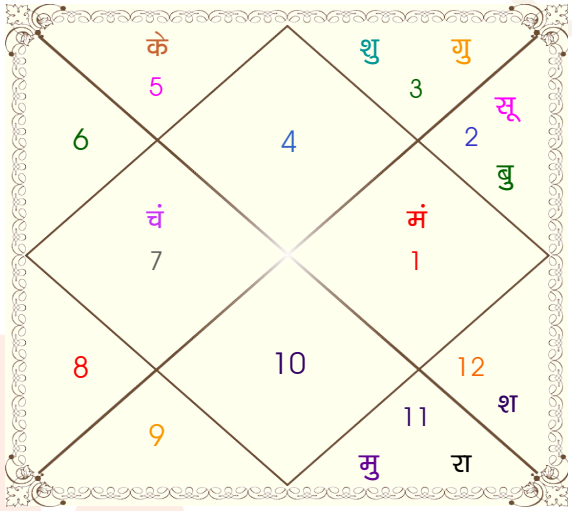

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास

28/06/2026 20:15:24 से 30/07/2026 06:50:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:20:35
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	12:42:00
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:34:53
मंगल		वृष	कृतिका	05:37:49
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:58:47
गुरु		कर्क	पुष्य	05:25:23
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	23:15:13
शनि		मीन	रेवती	19:51:01
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:29:02
केतु	व	सिंह	मघा	08:29:02
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	19:18:28

मासाधिपति

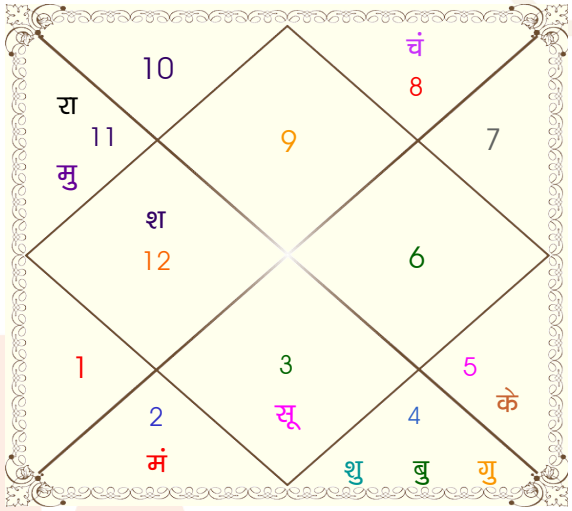

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास

30/07/2026 06:50:59 से 30/08/2026 12:15:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	22:30:13
सूर्य		कर्क	पुष्य	12:42:00
चन्द्र		मकर	श्रवण	17:45:28
मंगल		वृष	मृगशिरा	27:31:20
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:55:09
गुरु		कर्क	पुष्य	12:18:01
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:48:09
शनि	व	मीन	रेवती	20:30:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	06:49:04
केतु	व	सिंह	मघा	06:49:04
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:48:28

मासाधिपति

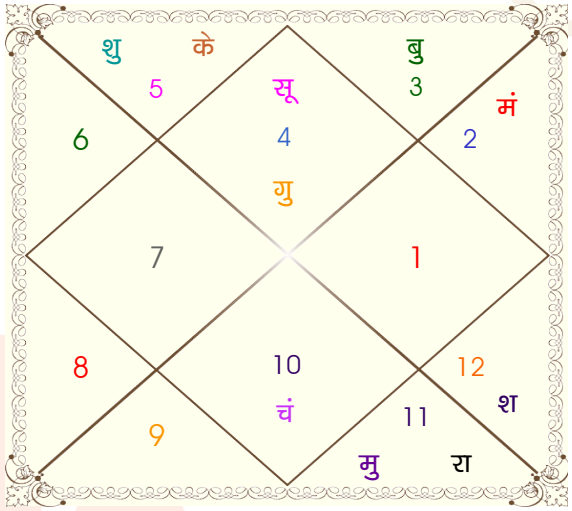

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुप क्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

एकादश मास

30/08/2026 12:15:04 से 30/09/2026 07:21:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	02:20:00
सूर्य		सिंह	मघा	12:42:00
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:02:49
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	18:04:10
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:12:13
गुरु		कर्क	आश्लेषा	19:06:21
शुक्र		कन्या	चित्रा	27:33:00
शनि	व	मीन	रेवती	19:32:36
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:09:47
केतु	व	सिंह	मघा	05:09:47
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:18:28

मासाधिपति

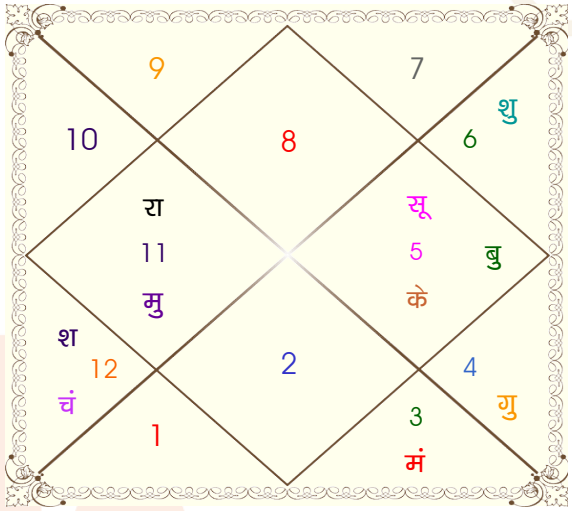

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
30/09/2026 07:21:51 से 30/10/2026 14:02:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	24:25:33
सूर्य		कन्या	हस्त	12:42:00
चन्द्र		मेष	भरणी	26:31:13
मंगल		कर्क	पुष्य	06:55:01
बुध		तुला	चित्रा	05:12:58
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:11:34
शुक्र		तुला	स्वाति	14:03:37
शनि	व	मीन	रेवती	17:25:04
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:31:52
केतु	व	सिंह	मघा	03:31:52
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:48:28

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

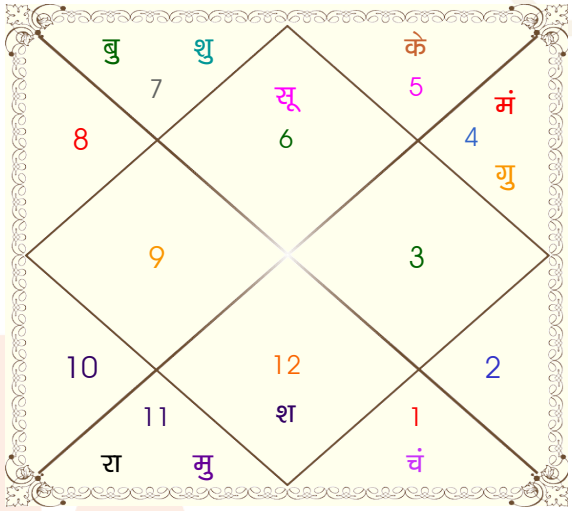

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।